मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

सत्यमेव जयते

काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं का संकलन

संकलन

काव्य मंजरी टीम

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

01

राष्ट्रीय विरासत पशु - हाथी

हाथी देखो राष्ट्रीय,
विरासत पशु हमारा।
चाल इसकी निराली,
देखो कितना प्यारा।।

जीव है ये शाकाहारी,
जंग इसने कभी न हारी।
लम्बी होती सूँड़ इसकी,
शरीर देखो कितना भारी।।

2010 में घोषित किया,
विरासत पशु बनाया।
जंगल के सब जीवों में,
सबसे बड़ा है पाया।।

रचना-
आकांक्षा मिश्रा (स०अ०)
प्रा० वि० सिकन्दरपुर
सुरसा, हरदोई

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

02

राष्ट्रीय जलीय जीव- गंगा डॉल्फिन

गंगा डॉल्फिन देखो,
राष्ट्रीय जलीय जीव है।
रहती ये समुद्र में,
पानी धरती की नींव है।।

तरह तरह की आवाज,
ये है निकालती।
अंदर बाहर कूद पानी में,
हरदम है इठलाती

विश्व भर में पायी जाती,
40 प्रकार की प्रजाति।
मीठे पानी की लेकिन
हमें मिलती चार प्रजाति।।

रचना-

सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्रा० वि० मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

राष्ट्रीय पशु- बाघ

03

बच्चों देखो बाघ हमारा,
राष्ट्रीय पशु कहलाता है।
भारत, नेपाल, भूटान,
कोरिया में पाया जाता है।।

जंगल में यह रहता है,
माँसाहारी पशु होता है।
अपनी प्रजाति में यह,
सबसे ताकवर होता है।।

लाल, पीले के मिश्रण से,
इसके शरीर का रंग बना।
पट्टी पड़ी है शरीर में इसके,
जिसमें काला रंग भरा।।

वक्ष के भीतर का भाग और,
पैर का रंग सफेद होता है।
बाघ तेरह फिट लम्बा और,
300 किलो तक वजनी होता है।।

रचना- शहनाज़ बानो (स० अ०)
पू० मा० वि०- भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

राष्ट्रीय मुद्रा 04

बाजार में जाकर जिससे,
खरीदते हैं सामान।
उसको कहते हैं मुद्रा,
बात यह तुम लो जान।।

अपने भारत देश की,
मुद्रा है रुपैया।
जिस को पाकर सब खुश होते,
बहना हो या भैया।।

प्राचीन समय में चलती कौड़ी,
दमड़ी, धेला, फिर आयी पाई।
फिर पैसा, फिर आना आया,
1540 में रुपए ने सूरत पायी।।

शेरशाह सूरी ने चाँदी का सिक्का,
रुपए के नाम से प्रचलित किया।
हर देश ने अपनी मुद्रा को,
डॉलर-पॉन्ड आदि नाम दिया।।

रचना- श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि०धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

05

राष्ट्रीय पक्षी मोर

देखो नाच रहा है मोर,
पंखों को करके वो गोल।
रंग बिरंगा कितना प्यारा ,
राष्ट्रीय पक्षी अपना मोर।।

सर पर है वो मुकुट लगाए,
पंछियों का राजा कहलाये।
बारिश देखे खुश हो जाये,
झूम-झूम कर नाचे मोर।।

नीला-नीला रंग है इसका,
नीले नीले पंख लिए।
उड़-उड़ कर पेड़ो पर बैठे,
चले धरा पर भी ये मोर।।

छब्बीस जनवरी 1963 को,
भारतीय राष्ट्रीय पक्षी बना मोर।
सौंदर्य की प्रतिमूर्ती और,
जनमानस का प्रिय मोर।।

रचना-
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल-बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण-उन्नाव

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

06

राष्ट्रीय मिठाई - जलेबी

गोल-गोल चक्कर सी दिखती,
उलझी-उलझी सी ये होती।
मैदा, चीनी, दही से बनती,
रस से सदा भरी ये रहती।

आदि कहाँ से, अन्त कहाँ से,
पता न चलता राज कहीं से।
शीरा कैसे अन्दर जाता,
यह रहस्य भी प्रकट न होता।

भारत की यह मुख्य मिठाई,
धूम भी इसने खूब मचाई।
तन को भी ये स्वस्थ्य बनाए,
वाह! जलेबी सबको भाए।

रचना: अर्चना गुप्ता (स०अ०)
उ०प्रा०वि०हाफिजपुर हरकरन
खजुहा, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

07

राष्ट्रीय ध्वज- तिरंगा

हमारा राष्ट्रीय ध्वज है तिरंगा,
देश का अभिमान तिरंगा।
१९४७ संविधान सभा,
बना देश की शान तिरंगा।।

तीन दो के अनुपात में,
खादी से बना है तिरंगा।
ऊपर केसरिया, हरा है नीचे,
सफेद बीच में रखे तिरंगा।।

चक्र में २४ तीलियाँ हैं,
क्षैतिज रूप में बना तिरंगा।
राष्ट्रीय त्योहारों पर फहराकर,
बना देश का मान तिरंगा।।

रचना

आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
क० वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

08

राष्ट्रीय पुष्प - कमल

कितना सुन्दर, कितना प्यारा,
कमल है राष्ट्रीय पुष्प हमारा।
गुलाबी, सफेद कई रंगों में मिलता,
कीचड़ में देखो यह खिलता।।

सबके मन को यह हर्षाता,
पर्यावरण की शोभा बढाता।
देवताओं को भी यह भाया,
इसको अपना आसन बनाया।।

प्राचीन भारत की कला और,
गाथाओं में इसका विशेष स्थान है।
यह पवित्र पुष्प भारतीय संस्कृति का,
मांगलिक प्रतीक महान है।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

09

बरगद एक अनूठा अनुपम,
और अलौकिक वृक्ष है।
महिमा इसकी वेद बखानी,
भारत का राष्ट्रीय वृक्ष है।।

बरगद:हमारा राष्ट्रीय वृक्ष

हमारा राष्ट्रीय वृक्ष
बरगद

फाइकस बैंगालेंसिस वैज्ञानिक,
नाम इस अद्भुत वृक्ष का।
कल्पवृक्ष, वट और बड़ भी,
नाम अन्य इस वृक्ष का।।

औषधीय गुण विद्यमान हैं,
मनोकामना और दीर्घायु दायक है।
जड़ें होती हैं मजबूत बहुत,
नये पौधे की जो जन्मदायक हैं।।

सन् उन्नीस सौ पचास में इसको,
राष्ट्रीय वृक्ष का मिला सम्मान।
जड़,पत्ते,फल,फूल,छाल से,
जीवों को मिलता अमर-दान।।

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

10

National Game- Hockey

All love to play games,
And 'Hockey' is our national game.
Played with 11 players in each team,
To make a goal is their aim.

Won first gold medal in 1928 Olympics,
Dhyanchand was the star player.
Made the country won by making 14 goals,
And made India proud, it is his flair.

To promote hockey in our country,
Dhyanchand trophy, Aga Khan cup all are here.
Dhanraj pillai and Manpreet Singh are some players,
A satisfaction hockey gives, the feeling which is rare.

Hockey is the name given by Britishers,
Played in many countries.
By both men and women,
As games have no boundaries.

Written by: Shweta (A.T.)
P. S. Sisana-2
Baghpat, Baghpat

शिक्षा का उत्थान मिशन संवाद शिक्षण शिक्षक का सम्मान

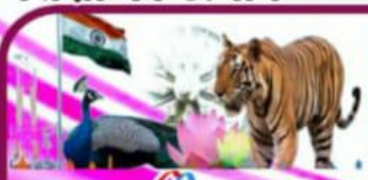

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

11

राष्ट्रीय विरासत नदी - गंगा

तू है परम पावनी गंगे,
सचमुच बड़ी महान।
नीति धर्म का पाठ पढ़ाती,
देती सदाचरण का ज्ञान।।

राष्ट्रीय नदी गंगा देखो बनी,
दो हजार चार से।
गंगोत्री से बंगाल की खाड़ी,
तक बहती शान से।।

शुद्ध सात्विक जल है तेरा,
जल जीवों का यहाँ बसेरा।
तू है परमपुण्य का धाम,
गंगा तू है बड़ी महान।।

प्रस्तुति
दीक्षा पटेल (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मुरारपुर
देवमई, फ़तेहपुर

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

12

अशोक स्तम्भ

अशोक स्तम्भ सारनाथ में,
उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित है।
चार सिंह पीठ से सटे हैं,
चारों दिशाओं में उनके मुख हैं।।

नीचे गोल आधार पर घोड़ा,
सांड, सिंह दौड़ते दिखते हैं।
हर-एक के बीच में धर्म-चक्र है,
जिसे अशोक-चक्र भी कहते हैं।।

संदेश देती चक्र की चौबीस तीलियाँ,
जिसने राष्ट्रीय-ध्वज में स्थान पाया।
भारत माँ के वीरों ने ध्वज को,
नमन कर संदेशों को अपनाया।।

अशोक स्तम्भ, शक्ति का स्तम्भ है,
और दृढ़ता का भी सूचक है।
भारतीय-मुद्रा में भी अंकित यह,
भारत के राष्ट्रीय-चिन्ह का द्योतक है।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पू० मा० वि०- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

13

राष्ट्रीय वाक्य
सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय वाक्य हमारा है,
सत्यमेव जयते।
मन में विश्वास जगाता है,
सत्यमेव जयते।
एक उपनिषद् है प्राचीन,
जिसका "मुण्डक" नाम है।
वाक्य ये मिला इसी से,
जो सच की पहचान है।
सारनाथ के सिंह स्तंभ पे,
ये वाक्य लिखा हुआ है।
राष्ट्रीय वाक्य के रूप में
26जनवरी 1950 को स्वीकार हुआ
है।

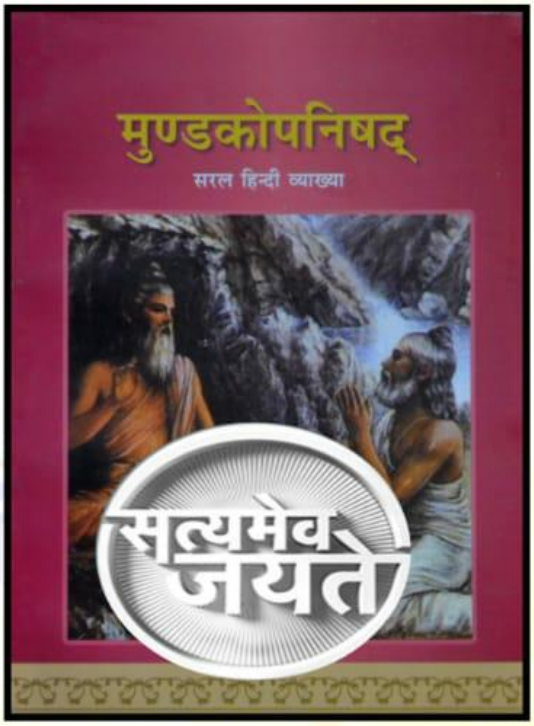

रचना - पीयूष त्रिवेदी(स०अ०)
संविलयित विद्यालय भैनामऊ
सुरसा, हरदोई।

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

14

राष्ट्रीय भोजन - खिचड़ी

भारतीय संस्कृति में खिचड़ी को,
बड़े ही चाव से खाया जाता।
04 नवम्बर 2017 से इसे भारत का,
राष्ट्रीय भोजन माना जाता।।

कम खर्च, कम समय में बनकर,
खिचड़ी करती अपना कमाल।
अपने पौष्टिक गुणों के कारण,
ये सब व्यंजनों में है बेमिसाल।।

ज्वार, बाजरा, दालों के संग,
इसमें चावल भी डाला जाता।
भारत के हर कोने में भिन्न-भिन्न,
तरीके से बनाया और परोसा जाता।।

अमीर, गरीब या हो कोई बीमार,
खिचड़ी है सबके लिए पौष्टिक आहार।
संग हो इसके दही-आचार,
तो खिचड़ी लगती है मजेदार।।

रचना

रीना कुमारी (शिक्षक संकुल)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

15

पंचांग

दिन को नामांकित करने की,
पंचांग है एक प्रणाली।
किसी विषय के पांच अंग की,
मिलती है इससे जानकारी।।

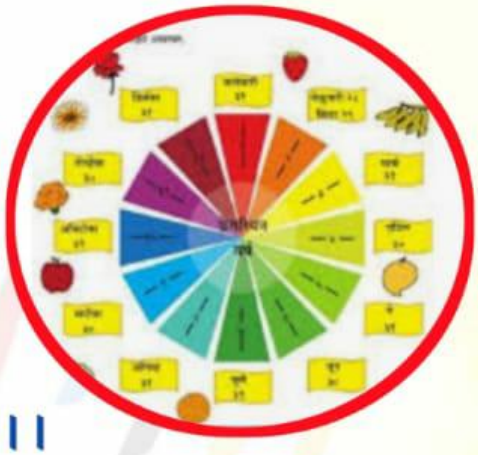

वार, तिथि, नक्षत्र, योग, करण,
व्रत, पर्व, त्योहार बताये पंचांग।
शुभ मुहूर्त, और नामकरण,
पूर्णिमा- अमावस्या बताये पंचांग।।

खगोलीय तत्व से जोड़ा जाता,
जाना जाता शक संवत से।
है भारत का राष्ट्रीय कैलेण्डर,
लागू हुआ 22 मार्च 1957 से।।

हिन्दू पंचांग है गणना का आधार,
पहला चन्द्र दूसरा नक्षत्र।
तीसरा सूर्य है आधार,
शुक्ल, कृष्ण दो पक्ष सर्वत्र ।।

प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

16

राष्ट्रीय फल- आम

गर्मी के मौसम में आता,
राष्ट्रीय फल यह कहलाता।
सबके मन को यह ललचाए,
फलों का राजा बन इठलाता।।

खट्टा-मीठा और रसीला,
हरा-भरा होता चमकीला।
बच्चे, बूढ़े सबको भाता,
हरा, लाल और होता पीला।।

चटनी, खीर, अचार, मुरब्बा,
आइसक्रीम, टॉफी, आमरस आता।
खट्टा, मीठा आम-पापड़,
फ्रूटी, माजा जूस भी भाता ।।

जगत है पादप, गण सेंपेडल्स,
मेंगीफेरा कुल है जिसका।
इंग्लिश में Mango है कहते,
सौ फीट लम्बा पेड़ है इसका।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

राष्ट्रगान 17

हमारे देश का है मान-सम्मान,
हमारा प्यारा राष्ट्रीय गान।
बोल हैं इसके जन-गण-मन,
गाने मे लगते हैं सेकंड बावन।।

रवीन्द्र नाथ टैगोर द्वारा मूलतः,
यह बंगाली मे लिखा गया।
24 जनवरी 1950 को यह,
राष्ट्रगान के रूप मे अपनाया गया।।

पूरे पाँच पद हैं इस गान में,
अधिकतर प्रथम पद ही गाते हैं।
राष्ट्रगान जब बजे तो श्रोता,
सावधान खडे हो जाते हैं।।

जन गण मन

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता ।
पंजाब सिंध गुजरात मराठा
द्राविड उत्कल बंग ।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंग ।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे;
गाहे तव जय गाथा ।
जन-गण मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

RKARTS.BLOGSPOT.COM

विद्यालय की प्रार्थना सभाओं में,
यह रोजाना गाया जाता है।
राजकीय और राष्ट्रीय पर्वों पर,
हर्ष के साथ गाया जाता है।।

रचना- ज्योति सागर (स०अ०)
कम्पो० उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

रचनाकारों की सूची

01- आकांक्षा मिश्रा, हरदोई
02- सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर
03- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
04-पूनम गुप्ता,अलीगढ़
05- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
06- अर्चना गुप्ता, फतेहपुर
07- आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
08- जितेन्द्र कुमार, बागपत
09- शिखा वर्मा, सीतापुर
10- स्वेता, बागपत
11- दीक्षा पटेल, फ़तेहपुर
12- नैमिष शर्मा, मथुरा
13- पीयूष त्रिवेदी, हरदोई
14- रीना कुमारी, बागपत
15- प्रतिमा उमराव,फतेहपुर
16- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
17- ज्योति सागर, बागप

तकनीकी सहयोग
1 नमिता राजपूत, मुरादाबाद
2 नाजिया परवीन, मुरादाबाद

मार्गदर्शन:- राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन:- मिशन शिक्षण संवाद